वैज्ञानिक डॉ. एसपी तिवारी का खरसिया में व्याख्यान

खरसिया। आमंत्रित व्याख्यान के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बहुभाषाविद् व भौतिकी विभाग के वैज्ञानिक डॉ. सूर्यप्रकाश तिवारी केटीएच रॉयल इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, स्वीडन, यूरोप का 01 फरवरी को शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में भाषा की उत्पत्ति एवं विकास विषय पर सारगर्भित व्याख्यान हुआ। प्राचार्य डॉ. राकेश तिवारी, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश टण्डन, प्रो. जयराम कुर्रे (आभार), प्रो. दिनेश संजय (मंच संचालन), डॉ. आकांक्षा मिश्रा (संयोजक), प्रो. एम एल धीरही (विभागाध्यक्ष इतिहास), प्रो. सरला जोगी (विभागाध्यक्ष प्राणी शास्त्र), प्रो. के एक्का (विभागाध्यक्ष भौतिकी), प्रो. एके पटेल (विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान), डॉ. मीना गुप्ता (विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र), प्रो. मनोज बरेठा (विभागाध्यक्ष भूगोल) की गरिमामय उपस्थिति में वैज्ञानिक डॉ. तिवारी ने पूरे विश्व की भाषायी उत्पत्ति एवं विकास के बारे

में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इजिप्टीयन को सबसे पुरानी भाषा, तत्पश्चात् संस्कृत एवं ग्रीक को पुरानी भाषा कही। प्रत्येक भाषा परिवार में आने वाली भाषाओं की संख्या को भी बताया। हिन्दी, बंगाली, फ्रांसीसी, चायनीज, अंग्रेजी, स्वीडिश, अफ्रीकी आदि भाषाओं के जानकार होने के कारण इन्होंने अनेक भाषाओं के वर्णों की तुलना भी की। सबसे पुरानी लिपि के रूप में ब्राम्ही (धम्म लिपि) को बताते हुए नागरी, देवनागरी लिपि को बाद में विकसित बताया। इसके अतिरिक्त अन्य जानकारी भी दी, जिसे छात्रों ने ध्यान से सुना। इस व्याख्यान में एम ए हिन्दी के अनेक छात्र-छात्राओं प्रियंका पटैल, कौशल्या गबेल (राज्य गीत की प्रस्तुति), मुकेश पटैल, कीर्तन अजय, रेशमा चौहान, छाया राठौर, हेमलता, छाया डनसेना, ट्विंकल, अर्चना राठौर, रूख्मणी राठिया, देविका राठिया, अम्बिका राठिया, मनीषा, हेमलता, मोंगरा राठिया सहित अन्य कक्षाओं से मोनिका, ममता, कलेश्वर, नेहा, प्रियंका, अंजली देवकुमारी, प्रिया, नूति, गोमती, योगेश्वरी, शाहिल, शिवा, सोनाली, दीप्ति, कीर्ति, जीरम, अंशित, रामजन, निर्मल, करणप्रताप, आकाश, रतनलाल, अशोक, गौतम, महेश, एतवार, राजकुमार, खेमलाल, गणेशराम, अंजू पटैल आदि उपस्थित रहे। पूरा व्याख्यान रोचक व ज्ञानवर्धक रहा।